तत्काल प्रकाशन हेतु
बुधवार, दिसंबर 8, 2010

भारत का क्लीन पॉवर सेक्टर वर्ष 2020 तक 169 बिलियन डॉलर अर्जित कर सकता है।
अगले दशक तक क्लीन एनर्जी इंडस्ट्री में व्यापक वृद्धि देखी जा सकती है।

संपर्क:
ट्रेसी शेरियो, 202.540.6577 | tschario@pewtrusts.org
शेनॉन पॉव, 202.540.6568 | spao@pewtrusts.org

वाशिंगटन – द प्यू चेरिटेबल ट्रस्ट (The Pew Charitable Trusts) द्वारा आज प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अगले दशक तक क्लीन पॉवर परियोजनाओं में 169 बिलियन डॉलर तक के निवेश की संभावना व्यक्त कर रहा है। जी–20 देशों में भारत दुनियाभर में ऐसा देश बन गया है जो क्लीन पॉवर परियोजनाओं में निवेश की दृष्टि से 10वें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचने के मार्ग पर तेजी`स बढ़ रहा है। एनहॉन्स्ड क्लीन एनर्जी से संबंधित नीतियां भारत में सामान्य व्यापार की तुलना में 48 प्रतिशत तक निजी निवेश को बढाएंगी और इसके लिए भारत ने जी–20 देशों में वृद्धि की सर्वोच्च दर की प्राप्ति के लिए इंग्लैंड के साथ संबंध स्थापित कर लिए हैं।

ग्लोबल क्लीन पॉवर : 2.3 ट्रिलियन डॉलर अपॉरचुनिटी ने वायु, सौर, बॉयोमॉस/अपशिष्ट ऊर्जा, लघु जल परियोजना, जियोथर्मल (भू–तापीय) और जल ऊर्जा परियोजनाओं में निजी निवेश की भविष्यवाणी की है। इस रिपोर्ट में *2020: बिजनेस ऐज़ यूज़अल:* के माध्यम से भावी विकास निर्धारित करने के लिए तीन नीतियों के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट में वर्तमान नीतियों में किसी प्रकार के परिवर्तन की बात नहीं कही गई है। *कोपेनहेगन:* कोपेनहेगन में वर्ष 2009 में आयोजित अतर्राष्ट्रीय जलवायु वार्ता में किए वादों को पूरा करने के लिए नीतियों को लागू करना है; *एनहॉन्स्ड क्लीन एनर्जी:* इसका उद्देश्य ज्यादा निवेश और क्षमता परिवर्धन को नियंत्रित करने के लिए अधिकाधिक नीतियों की डिज़ाइन तैयार करना है।

प्यू क्लाइमेट और एनर्जी प्रोग्राम के निदेशक श्री फिलिस कुटिनो ने कहा है कि, ''इस रिपोर्ट का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है: जो देश निजी निवेश, नौकरी, निर्माण आदि कार्यो को बढावा देना चाहते हैं और निर्यात के अवसरों को बंद करना चाहते हैं उन्हें अपनी क्लीन एनर्जी नीतियों को मज़बूती प्रदान करनी चाहिए''।

रिपोर्ट से ज्ञात हुआ है कि क्लीन एनर्जी सेक्टर गहन आर्थिक अवसर प्रदान करने वाला वर्ग बना हुआ है। जी–20 देशों के सदस्यों के पास *बिजनेस–ऐज़–यूजुअल* की तुलना में अगले दशक तक क्लीन पॉवर परियोजनाओं में 546 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त निवेश करने की क्षमता है। *एनहॉन्स्ड क्लीन एनर्जी* अभियान के अंतर्गत क्लीन पॉवर परियोजनाओं में प्रस्तावित 2.3 ट्रिलियन डॉलर निवेश संपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए इंग्लैंड की समस्त जीडीपी के बराबर होगा। इतने ही समय में जी–20 के देशों की कुल नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता 1,180 गीगावॉट तक बढ जाएगी जो मौजूदा नवीकरणनीय ऊर्जा क्षमता का लगभग चार गुणा होगी।

भारत में क्लीन पॉवर परियोजनाओं में आकर्षित कुल निवेश को निम्न प्रकार प्रस्तावित किया गया है:–

- *बिजनेस ऐज़ यूजुअल:* 2020 तक 118 बिलियन डॉलर
- *कोपेनहेगन:* 2020 तक 125 बिलियन डॉलर
- *एनहान्स्ड क्लीन एनर्जी:* 2020 तक 169 बिलियन डॉलर

भारत के बारे में कुछ अन्य प्रमुख परिणामों में निम्नलिखित शामिल हैंः–

- समस्त नीतिगत दृष्टिकोणों में भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया की अगले 10 वर्षो में क्लीन पॉवर परियोजनाओं के निवेश में 40 प्रतिशत भागीदारी होगी।
- अगले दशक तक भारत ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की क्षमता को 91 गीगावॉट तक बढाने की आशा व्यक्त की है जो मौजदा क्षमता से पांच गुणा ज्यादा है।

ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस के सीईओ माइकल लीब्रेक का कहना हे कि, ''भारत को अगले दशक तक वैश्विक स्तर पर क्लीन एनर्जी के अग्रणी देशो के समूह में शामिल होते देखा जा सकता है। उनका मानना है कि भारत का क्लीन पॉवर सेक्टर समस्त जी–20 देशो में सर्वाधिक गेंभीर निवेश की विकास गति को महसूस कर सकता है और यही विकास किसी राष्ट्र द्वारा चुने गए नीति मार्ग से सूक्ष्म रूप से जुड़ा हुआ होता है।''

अन्य प्रमुख परिणामों, देश की जानकारी, चर्चात्मक ग्राफिक्स और वीडियो सहित समस्त रिपोर्ट वेबसाइट पर पढें।

द प्यू चेरिटेबल ट्रस्ट आज की सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण समस्याओं को सुलझााने के लिए ज्ञान शक्ति द्वारा संचालित हो रहा है। जन नीति, जन सूचना और आम जीवन को नियंत्रित करने के लिए प्यू जटिल, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाता है।

# # #